ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय

पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे   निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 26   अंकः 34   बुलेटिन अवधिः 29 अप्रैल–3 मई, 2017   दिनः शुक्रवार   दिनाँकः 28 अप्रैल 2017

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर एवं नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	29–04–2017	30–04–2017	01–05–2017	02–05–2017	03–05–2017
वर्षा (मिमी0)	0	5	5	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	36	36	35	36	37
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	18	19	18	18	19
बादल आच्छादन	आंशिक बादल	घने बादल	घने बादल	मध्यम बादल	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	85	90	90	85	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	40	45	45	40	40
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	08	10	10	08	08
वायु की दिशा	उत्तर–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (21 से **27 अप्रैल** 2017 सुबह 8:30 तक) में आसमान साफ रहा तथा 3.0 मि0मी0 वर्षा हुई, अधिकतम तापमान 35.1 से 38.6 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 19.0 से 26.5 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 55 से 73 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 18 से 42 प्रतिशत एवं हवा 5.1 से 13.4 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व–दक्षिण–पूर्व व पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल प्रबन्धः

- गेहूँ एवं दलहनी फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य करें।
- अगर गेहूँ की कटाई के बाद विलम्ब से गन्ना की बुवाई करनी हो तो इसे अप्रैल माह में पूरा कर लें। बुवाई हेतु गन्ना के 1/3 से 1/2 ऊपरी हिस्सों को बीज में प्रयोग करें। बीजोपचार से पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगोंए। इससे जमाव में आशातील बढ़ोत्तरी होती है। बीज शोधन होतु 1 ग्राम कार्बेडाजिम 50 प्रतिशत को एक लीटर पानी की दर से घोल बनाए।
- विलम्ब से बुवाई में CoS88230, CoS95255, CoS95222, CoS97264, CoPant84212 आदि प्रजातियों का चुनाव करें। संतुलित उर्वरक 100–120:60:40 एन0पी0के0/है0 का प्रयोग करें। बुवाई के समय 60 कि0ग्रा0 N, 60 कि0ग्रा0 P_2O_5 व 40 कि0ग्रा0 K_2O प्रति है0 का उपयोग करें।
- चना में फलीबेधक के नियंत्रण के लिए क्लोरान्ट्रानिलिप्रोले 18.5 एस0सी0, 125 मि0ली0/है0 या इमामेक्टीन बेन्जोएट 5 एस0जी0, 220ग्राम/है0 या नोवाल्यूरान 10 ई0सी0, 750 मि0ली0/है0 या लैम्डासाइहैलोथ्रिन 5 ई0सी0, 500मि0ली0/है0 500लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

उद्यान प्रबन्धः

- कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 किग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- भिण्डी की फसल में पत्तियों की नसे यदि पीली पड़ रही हो तो ऐसे पौधो को निकालकर नष्ट कर दे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण के लिए किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करें।
- आम की फसल में चूर्णि फॅफूदी की नियत्रंण हेतु कार्बनडाजिम का 0.1प्रतिशत का घोल का छिड़काव करें।
- कद्दू वर्गीय सब्जियो में पत्तियॉ यदि चितकबरी दिख रही हो या मुड़ रही हो तो ऐसे पौधो को निकाल नष्ट करे एवं रस चूसने वाले कीड़ो से बचाव हेतू सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करे।
- मिर्च एवं टमाटर की उपरी पत्तियो पर बारीक चितकबरे धब्बे दिखाई देने पर सर्वांगी कीटनाशी का 10 से 15 दिन के अन्तराल पर नियमित छिड़काव करे।
- टमाटर में फल बेधक का प्रकोप होने पर, क्लोरान्ट्रानिलिप्रोले 18.5 एस0सी0, 150मि0ली0/है0 के छिड़काव के तीन दिन बाद या इन्डोक्साकार्ज 14.5 एस0सी0, 500मि0ली0/है0 की दर से छिड़काव के पाँच दिन बाद ही फल का उपयोग करें।
- बैंगन में तना एवं फल बेधक के नियंत्रण हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस0जी0 200ग्रा0/है0, साइपरमैथ्रिन 25इसी 200मि0ली0/है0, लैम्डा साइहैलोथ्रिन 5 सी0एस0 300मि0ली0/है0 की दर से अन्तिम छिड़काव के पाँच दिन बाद फल का उपयोग करे।
- गुच्छा रोग से ग्रसित शाखाओ को काट दें। ग्राफ्ट किए गए पौधो की देखभाल करे। यदि भुनगा कीट का ज्यादा प्रकोप है तो अमीडाक्लोरपिड 3 मिली0 प्रति 10 ली0 का छिड़काव करें।ब्लैक टिप व आन्तरिक उतक क्षय की रोकथाम के लिए बोरेक्स (0.8–1.0 प्रतिशत) का छिड़काव करे।
- फलत वाले बागो की सिंचाई करे तथा शेष बची नत्रजन की आधी मात्रा का प्रयोग करे।

पशुपालन प्रबन्धः

- गर्मी के मौसम में पशुशाला के आसपास की नालियो में मेलाथियॉन अथवा अन्य कीटनाशक दवाइयो8 का छिड़काव समय समय पर कराते रहे।
- विदेशी गायें अधिक गर्मी सहन नही कर पाती जिससे उनके आहार ग्रहण करने की क्षमता में कमी आ जाती है। और उनका उत्पादन प्रभावित होता है। अतः विदेशी गायो का उत्पादन बनाये रखने तथा बीमारियो से बचाव हेतु गौशाला के अन्दर तापमान नियंत्रण हेतू शीतल यंत्र जैसे पंखा, कूलर अथवा आधुनिकतम शीतल यंत्र की व्यवस्था करे।
- अगर पशु लू के प्रकोप का शिकार हो जाए तो पास के पशु चिकित्सक से मिलकर उसका तुरन्त उपचार करायें।
- पशुओं को स्वच्छ, ताजा एवं ठंडा जल दिन में तीन बार (सुबह, दोपहर, शाम) पिलाना चाहिए। यदि पशु के शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद हो तो उसकी चमड़ी के तापमान एवं मौसम के तापमान में सामंजस्य बना रहता है एवं पशु को लू भी नहीं लगती।

- ❖ गर्मी से बचाने हेतु पशुओं को संतुलित आहार जिसमें सभी पोषक तत्व प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण तथा विटामिन्स उचित मात्रा एवं उचित अनुपात में उपस्थित हों, देवें। सूखे चारे के साथ हरा चारा एवं दाना अवश्य दें।
- ❖ अप्रैल माह से भैंसों को पशुशाला में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक रखना चाहिए, जिससे उन्हें तेज धूप से बचाया जा सके।

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर